GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 18 अँधेरी नगरी

Std 9 GSEB Hindi Solutions अँधेरी नगरी Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-दो वाक्यों में उत्तर लिखिए:

प्रश्न 1. महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला लिया?

उत्तर :

महंत ने नगर की असलियत जानकर वहाँ क्षणभर भी न रहने का निर्णय लिया।

प्रश्न 2. अंधेरी नगरी में भाजी और खाजा किस भाव से बिकता था?

उत्तर :

अंधेरी नगरी में भाजी और खाजा दोनों टके सेर भाव बिकता था।

प्रश्न 3. कसाई ने भेड़ किससे मोल ली थी?

उत्तर :

कसाई ने भेड़ एक गड़रिये से मोल ली थी।

प्रश्न 4. महंत ने गोवर्धनदास को क्या सलाह दी थी?

उत्तर :

महंत ने गोवर्धनदास को उस नगर में न रहने की सलाह दी थी, जहाँ टका सेर भाजी और टका सेर खाजा मिलता हो।

प्रश्न 5. राजा फाँसी चढ़ने को क्यों तैयार हो गया?

उत्तर :

राजा फांसी चढ़ने को तैयार हो गया, क्योंकि महंत ने कहा था कि उस शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधे स्वर्ग जाएगा।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1. गोवर्धनदास ने खुश होकर अंधेरी नगरी में ही रहने का फैसला क्यों लिया?

उत्तर :

गोवर्धनदास में महंत जैसी दूरदृष्टि नहीं थी। उसे बस अपना पेट भरने की चिंता रहती थी। अंधेरी नगरी में टके सेर मिठाई मिलती थी। गोवर्धनदास को मिठाई खाने का शौक था। अंधेरौ नगरी में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रहकर वह कम पैसों में भी भरपेट मिठाई खा सकता था। इसलिए उसने अंधेरी नगरी में ही रहने का फैसला किया।

प्रश्न 2. बकरी की मौत के लिए किस-किसको अपराधी वहराया गया? राजा ने किसे-किसे और क्यों फाँसी चढ़ाने का फैसला किया?

उत्तर :

बकरी की मौत के लिए कल्लू बनिया, दीवार बनानेवाले कारीगर, चूनेवाले, भिश्ती, कसाई, गड़रिए और कोतवाल को अपराधी ठहराया गया। अंत में राजा ने कोतवाल को फांसी पर चढ़ाने का फैसला किया।

प्रश्न 3. गोवर्धनदास पर पछताने की बारी क्यों आ गई?

उत्तर :

गुरु महंत का कहना न मानकर गोवर्धनदास ने अंधेरी नगरी में ही रहने का निर्णय किया था। उसने सोचा कि कम खर्च में अधिक मजे के साथ वहीं रह सकता था। परंतु जब दुबला-पतला होने के कारण कोतवाल फाँसी से बच गया, तब सिपाहियों ने गोवर्धनदास को पकड़ा। सिपाहियों को न्याय-अन्याय तथा दोषी और निर्दोष की परवाह नहीं थी। उन्हें तो फांसी पर चढ़ने लायक व्यक्ति की जरूरत थी। उनके द्वारा पकड़े जाने पर गोवर्धनदास को पछताने की बारी आई।

प्रश्न 4. महंत गोवर्धनदास की जान बचाने में सफल कैसे हो गए?

उत्तर :

जब गोवर्धनदास को फांसी पर चढ़ाया जानेवाला था, तभी उसके गुरु महंतजी वहां पहुंच गए। गुरु ने शिष्य के कान में कुछ कहा और फिर गरु-शिष्य फांसी पर चढ़ने के लिए आपस में हुज्जत करने लगे। इससे सिपाही चकित हो गए। राजा, मंत्री और कोतवाल भी वहां पहुंच गए। पूछने पर महंत ने बताया कि उस मुहूर्त में फांसी पर चढ़नेवाला सीधा स्वर्ग जाएगा। स्वर्ग के लालच में चौपट राजा खुद फांसी पर चढ़ गया। इस प्रकार गोवर्धनदास की जान बचाने में महंत सफल हो गए।

प्रश्न 5. पाठ को 'अंधेरी नगरी' शीर्षक क्यों दिया गया?

उत्तर :

कहावत है - 'यथा राजा तथा प्रजा' प्रस्तुत एकांकी इस कहावत को पूरी तरह चरितार्थ करता है। एकांकी में एक दीवार गिरने के अपराध में कइयों पर दोष मढ़ा जाता है, पर अपने-अपने बचाव में सब सफल हो जाते हैं। अंत में कोतवाल दोषी साबित होता है, जिसका घटना से कोई संबंध नहीं है। राजा उसे फांसी देने का हुक्म देता है। कोतवाल की पतली गरदन फांसी के बड़े फैदे के लायक नहीं, इसलिए मोटे-ताजे गोवर्धनदास को पकड़ा जाता है। अंत में महंत की चतुराई से राजा स्वयं फांसी पर चढ़ जाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इस प्रकार अंधेरी नगरी सचमुच अंधेरी नगरौ है। यहाँ सच और झूठ में कोई भेद नहीं किया जाता। यहाँ न कोई कानून है, न व्यवस्था। अपराध कोई करता है और दंड किसी और को दिया जाता है। इसलिए पाठ को 'अंधेरी नगरी' शीर्षक दिया गया है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1. अंधेरी नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।

उत्तर :

मूर्ख राजा के राज्य में अच्छे-बुरे, साधारण-विशेष, उचितअनुचित में कोई अंतर नहीं होता। खाजा जैसी महंगी मिठाई भी भाजी के भाव बेची जाती है। न्याय-अन्याय में भी कोई फर्क नहीं रखा जाता। राज्य में सब जगह अंधेर ही अंधेर दिखाई देता है।

प्रश्न 2. राजा के जीतेजी और कौन स्वर्ग जा सकता है ? हुमको फाँसी चढ़ाओ, जल्दी करो।

उत्तर :

राजा को बताया गया कि फांसी पर चढ़ने की वह बहुत शुभ घड़ी थी। उस समय फांसी पर चढ़नेवाला सीधा स्वर्ग जाएगा। मूर्ख राजा स्वर्ग के लालच में आ गया। बुद्धि-विवेक का उसमें घोर अभाव था। महंत की चाल में फंसकर वह फांसी पर चढ़ने के लिए तैयार हो गया। उसकी मूर्खता ही उसकी राजहठ बन गई।

4. सही शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

प्रश्न 1.

1. **महंत अंधेरी नगरी में ..... रहना नहीं चाहते ? (यथासमय, क्षणभर)**
2. **मंत्री और नौकर लोग ..... बैदे हैं.। (इकठ्दा, यथास्थान)**
3. **कोतवाल तूने ..... धूमधाम से क्यों निकाली? (मीठाई, सवारी)**
4. **मुझे अपने ..... को अंतिम उपदेश देने दो।**
5. **शुभघड़ी में जो मरा, सीधा..... जाएगा । (महल, स्वर्ग)**

उत्तर :

1. क्षणभर
2. यथास्थान
3. सवारी
4. शिष्य
5. स्वर्ग

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. **न्याय माँगनेवाला**
2. **तस्कारी बेचनेवाली स्त्री**
3. **चमड़े की खाल का बड़ा थैला**
4. **भेड़-बकरे चरानेवाला**
5. **मीठाई बेचनेवाला**

उत्तर :

1. फरियादी
2. कुंजड़िन
3. मशक
4. गडरिया
5. हलवाई

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in